दैनिक भास्कर राजगढ़ 03-01-2026

राजगढ़-ब्यावरा भास्कर

सारंगपुर • जीरापुर • खिलचीपुर • नरसिंहगढ़ • पचौर • माचलपुर

भोपाल, शनिवार, 3 जनवरी, 2026 पौष शुक्ल पक्ष-पूर्णिमा, 2082

छोटा शहर बड़ा आइडिया

नए-नए आइडिया ही गढ़ेंगे हमारा नया वर्ष। आज के अंक में अलग-अलग क्षेत्रों में सोचे और जमीन पर उतारे जा रहे ऐसे आइडिया और उनसे शहर में आए बदलाव की कहानियां...

आत्मनिर्भरता का अमृतपुरा मॉडल... भोपाल-विदिशा तक पहुंची गांव के सरोते की खनक

रवि श्रीवास्तव | राजगढ़

जब किसी पारंपरिक हुनर को सही पूंजी और सुरक्षा का साथ मिलता है, तो वह केवल रोजगार नहीं बनता, बल्कि एक सामाजिक क्रांति का रूप ले लेता है। राजगढ़ जिले के एक छोटे से गांव अमृतपुरा ने यही कर दिखाया है। करीब 250 की आबादी और 70 परिवारों वाले इस गांव की महिलाओं ने पारंपरिक लोहे की कारीगरी को आधुनिक बैंकिंग और भविष्य की सुरक्षा योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भरता की एक ऐसी इबारत लिखी है, जिसे अब अमृतपुरा मॉडल के नाम से जाना जा रहा है। गांव के ग्रामीण दशकों से लोहे के औजार, विशेषकर सुपारी काटने वाले सरोते बनाने और मिस्त्री कार्य में निपुण हैं। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन ने इनके इस हुनर को पहचानते हुए महिलाओं को संगठित किया और आरती, ज्योति, राधिका और हरिओम जैसे स्व-सहायता समूहों का गठन किया।

समूहों को बैंकिंग की मुख्यधारा से जोड़ते हुए मप्र ग्रामीण बैंक और मिशन के माध्यम से प्रत्येक समूह को 3-3 लाख रुपए का कर्ज दिया है। सबसे सुखद पहलू ये कि ये ग्रामीण महिलाएं न केवल अपना व्यवसाय कुशलता से चला रही हैं, बल्कि बैंक की किस्तों का भुगतान भी पूरी ईमानदारी और समय पर कर रही हैं। बैंक ने इनकी साख (क्रेडिट) को देखते हुए भविष्य में इस लोन सीमा को 10 लाख रुपए तक बढ़ाने का भरोसा दिलाया है।

राजगढ़ | अमृतपुरा गांव की इन महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ा गया है, ये फोटो पिछले दिनों हुई एक बैठक का है।

कमाई के साथ अटल पेंशन से भी जुड़ रही महिलाएं, ताकि बुढ़ापे में भी होता रहे गुजारा

बुढ़ापे की फिक्र होगी दूर, अटल पेंशन में कराएंगे पंजीयन

गांव की 40 महिलाओं के व्यक्तिगत बैंक खाते खोलकर उन्हें प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा और जीवन ज्योति बीमा से कवर किया गया है, जिससे उनके परिवारों को 2 लाख रुपए का सुरक्षा कवच मिला है। मिशन के जिला प्रबंधक संदीप सोनी के अनुसार, अब इन महिलाओं को अटल पेंशन योजना से भी जोड़ा जा रहा है। ये एक दूरगामी सोच है, जिससे 60 साल की उम्र के बाद ये महिलाएं पेंशन की हकदार बनेंगी और जीवन के अंतिम पड़ाव में भी आर्थिक रूप से स्वतंत्र रहेंगी।

5 लाख के वर्क शेड से संवरेगा कारीगरी व्यवसाय

कारीगरी व्यवसाय को आधुनिक रूप देने के लिए अब गांव में 5 लाख रुपए की लागत से एक आधुनिक वर्क शेड तैयार करने की योजना है। यहां समूह की सभी महिलाएं एक छत के नीचे बैठकर काम कर सकेंगी, जिससे उत्पादों की गुणवत्ता और फिनिशिंग में और सुधार आएगा। वर्तमान में अमृतपुरा के बने सरोते राजगढ़ के अलावा भोपाल और विदिशा जैसे बड़े शहरों के बाजारों में सीधे सप्लाई हो रहे हैं। प्रशासन का अगला लक्ष्य गांव की 20 सबसे सक्रिय महिलाओं को लखपति दीदी की श्रेणी में लाना है।

ऐसे समझें... क्यों खास हैं अमृतपुरा मॉडल

- **जनसंख्या व परिवार :** गांव में कुल 70 परिवार निवास करते हैं और कुल आबादी 250 से अधिक है।

समूहों का गठन : गांव में आरती, ज्योति, राधिका और हरिओम नामक 4 सक्रिय स्व-सहायता समूह काम कर रहे हैं।

- **रोजगार की स्थिति :** इन समूहों के माध्यम से गांव के 45 से परिवारों की महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ी हैं।

आर्थिक सुरक्षा : 40 महिलाओं के बैंक खाते खोले गए, जिनमें से 36 महिलाओं का जीवन बीमा सुरक्षा कवच तैयार हो चुका है।

- **पूंजी का निवेश :** प्रत्येक समूह को बैंक और मिशन की ओर से 3-3 लाख रुपए का कर्ज व्यवसाय विस्तार के लिए दिया है।
- **भविष्य का लक्ष्य :** प्रशासन की योजना गांव की कम से कम 20 महिलाओं को ''''लखपति दीदी'''' की श्रेणी में लाने की है।
- **बुढ़ापे का सहारा :** महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ अटल पेंशन योजना से जोड़कर वृद्धावस्था सुरक्षित की जा रही है।